डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India,
Ministry of Culture

## शोक संदेश

### उषाकिरण खान

हिंदी और मैथिली की प्रख्यात कथाकार कवयित्री, नाटककार और लेखिका उषाकिरण खान का आज पटना में निधन हो गया। प्राचीन और आधुनिक कालखंड के जनजीवन और संस्कृति के उत्थान-पतन की गाथा को ऐतिहासिक दृष्टि से प्रस्तुत करने वाली उषाकिरण खान के व्यक्तित्व पर अपने स्वतंत्रता सेनानी गाँधीवादी पिता के संस्कारों का गहरा प्रभाव पड़ा। आपको हजारी प्रसाद द्विवेदी और नागार्जुन जैसे साहित्यकारों का स्नेह और सान्निध्य प्राप्त हुआ। आपने संस्कृत, पालि, अंग्रेजी, मैथिली एवं हिंदी के प्राचीन साहित्य का गहन अध्ययन किया था। आप बी.डी. कॉलेज पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्त्व विभाग की अध्यक्ष रहीं।

कई विधाओं में बहुआयामी लेखन करने वाली उषाकिरण खान के हिंदी-मैथिली में 17 से अधिक उपन्यास सात कहानी संकलन, नौ काव्य-संग्रह, बाल साहित्य की पांच पुस्तकें, कथेतर साहित्य की तीन पुस्तकें और चार मैथिली नाटक भी चर्चित रहे हैं। महिलाओं की समानता की गहरी पक्षधर रहीं उषाकिरण खान का यही सबल स्वत्व बोध उनके रचनात्मक व्यक्तित्व को विशेषता प्रदान करता है। पद्मश्री अलंकरण के अलावा आपको बिहार राष्ट्रभाषा परिषद का हिंदी सेवी पुरस्कार, बिहार राजभाषा का महादेवी वर्मा पुरस्कार, कुसुमांजलि पुरस्कार, भारत भारती पुरस्कार तथा मैथिली भाषा में साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उषाकिरण खान का समृद्ध कृतित्व भारतीय साहित्य की पूँजी है।

साहित्य अकादेमी परिवार दिवंगत आत्मा की शांति हेतु परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है और अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in